

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 「 | 交 | 番 | が | あ | る | と | い | う | こ | と | は | 、 | 要 | 人 | の | お | 屋 | 敷 | か |
| も | し | れ | な | い | 」 | | | | | | | | | | | | | | |
| | と | 勝 | 手 | な | 想 | 像 | を | し | 始 | め | た | 。 | | | | | | | |
| 「 | し | か | し | 、 | 御 | 殿 | 山 | と | 書 | い | て | あ | っ | た | の | に | 、 | 山 | は |
| 無 | か | っ | た | な | あ | 。 | 何 | 故 | だ | ろ | う | 」 | | | | | | | |
| | 車 | を | 走 | ら | せ | て | い | く | と | 、 | 「 | 八 | ツ | 山 | 橋 | 」 | と | い | う |
| 標 | 識 | が | あ | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | |
| 「 | こ | こ | に | は | 、 | 8 | 個 | の | 山 | が | あ | っ | た | の | だ | ろ | う | か | 」 |
| | 周 | り | を | 見 | 渡 | す | が | 、 | こ | の | 辺 | に | 山 | は | 見 | 当 | た | ら | な |
| い | 。 | 変 | だ | 。 | 御 | 殿 | 山 | 、 | 八 | ツ | 山 | と | い | う | 地 | 名 | で | あ | り |
| な | が | ら | 、 | 山 | が | 全 | 然 | 無 | い | 。 | | | | | | | | | |
| | 帰 | 宅 | し | て | 、 | 気 | に | な | っ | た | 「 | 大 | 邸 | 宅 | 」 | 「 | 御 | 殿 | 」 |
| 「 | 山 | 」 | に | つ | い | て | 調 | べ | た | 。 | | | | | | | | | |
| | 「 | 大 | 邸 | 宅 | 」 | は | 、 | 開 | 東 | 閣 | と | い | う | 三 | 菱 | の | 迎 | 賓 | 館 |
| だ | っ | た | 。 | て | っ | き | り | 、 | 要 | 人 | の | 大 | 邸 | 宅 | か | と | 思 | っ | た |
| が | 、 | 個 | 人 | の | 所 | 有 | で | は | な | か | っ | た | 。 | 敷 | 地 | の | 中 | に | 入 |
| っ | て | み | た | い | と | い | う | 興 | 味 | が | あ | る | が | 、 | 一 | 般 | に | は | 非 |
| 公 | 開 | と | い | う | こ | と | だ | 。 | 残 | 念 | な | が | ら | 、 | 中 | に | 入 | れ | る |
| 機 | 会 | は | な | い | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 2 | つ | 目 | の | 「 | 御 | 殿 | 」 | は | 、 | 太 | 田 | 道 | 灌 | が | 築 | い | た | 城 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|
| が | あ | っ | た | こ | と | 、 | そ | の | 後 | 徳 | 川 | 家 | 康 | が | つ | く | っ | た | 品 | |
| 川 | 御 | 殿 | が | あ | っ | た | こ | と | に | 由 | 来 | し | て | い | る | こ | と | が | わ | |
| か | っ | た | 。 | 御 | 殿 | そ | の | も | の | は | 消 | 滅 | し | て | 、 | 地 | 名 | に | 名 | |
| 残 | が | あ | る | の | み | で | あ | る | 。 | | | | | | | | | | | |
| | 3 | つ | 目 | の | 「 | 山 | 」 | に | つ | い | て | は | 、 | 江 | 戸 | 時 | 代 | に | 江 | |
| 戸 | 防 | 衛 | の | た | め | に | 台 | 場 | を | 築 | 造 | し | た | 時 | に | 、 | 御 | 殿 | 山 | |
| や | 八 | ッ | 山 | 周 | 辺 | か | ら | 土 | 砂 | が | 削 | り | 取 | ら | れ | た | そ | う | だ | 。 |
| こ | の | た | め | 、 | 山 | は | な | く | な | っ | て | し | ま | っ | た | と | い | う | こ | |
| と | だ | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 太 | 田 | 道 | 灌 | 、 | 徳 | 川 | 家 | 康 | の | 名 | 前 | が | 出 | て | き | た | の | で | 、 |
| 江 | 戸 | 城 | の | 形 | 成 | に | つ | い | て | 簡 | 単 | に | 触 | れ | る | 。 | | | | |
| | 江 | 戸 | 城 | の | ル | ー | ツ | を | た | ど | る | と | 、 | 太 | 田 | 道 | 灌 | に | 行 | |
| き | つ | く | 。 | 太 | 田 | 道 | 灌 | が | 、 | 江 | 戸 | 城 | を | 作 | っ | た | 。 | 1457/ | | |
| 長 | 禄 | 元 | 年 | に | 、 | 住 | ん | で | い | た | 品 | 川 | か | ら | 完 | 成 | し | た | 江 | |
| 戸 | 城 | に | 移 | っ | た | 。 | そ | れ | 以 | 前 | の | 江 | 戸 | は | 、 | 淋 | し | い | 一 | |
| 小 | 漁 | 村 | に | 過 | ぎ | な | か | っ | た | が | 、 | 江 | 戸 | 城 | が | 出 | 来 | た | こ | |
| と | で | 、 | 一 | 躍 | 関 | 東 | の | 中 | 心 | 地 | に | な | っ | た | 。 | | | | | |
| | そ | の | 後 | 、 | 徳 | 川 | 家 | 康 | の | 入 | 城 | で | 大 | き | く | 発 | 展 | す | る | 。 |
| 徳 | 川 | 家 | 康 | は | 、 | 1590/ | 天 | 正 | 18 | 年 | に | 江 | 戸 | 城 | へ | 入 | っ | た | 。 | |
| | 徳 | 川 | 家 | 康 | は | 、 | 江 | 戸 | に | 、 | 大 | 名 | 、 | 商 | 人 | 、 | 寺 | 院 | な | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-------|---|---|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|
| と | 過 | 去 | に | 2 | 回 | も | 行 | わ | れ | て | い | た | 。 | | | | | | | |
| | 当 | 時 | 、 | イ | ギ | リ | ス | 公 | 使 | 館 | は | 、 | 高 | 輪 | 東 | 禅 | 寺 | に | 置 | |
| か | れ | て | い | た | 。 | 1861/ | 文 | 久 | 元 | 年 | に | 、 | 水 | 戸 | 浪 | 士 | 14 | 名 | | |
| が | 襲 | 撃 | し | た | 。 | 警 | 護 | に | あ | た | っ | て | い | た | 幕 | 府 | 方 | の | 警 | |
| 備 | 兵 | と | 戦 | 闘 | に | な | り | 多 | 数 | の | 死 | 傷 | 者 | が | で | た | そ | う | だ | 。 |
| | そ | の | 次 | は | 、 | 1862/ | 文 | 久 | 2 | 年 | 5 | 月 | で | 、 | イ | ギ | リ | ス | | |
| 公 | 使 | 館 | の | 警 | 備 | に | あ | た | っ | て | い | た | 松 | 本 | 藩 | 士 | が | 、 | 外 | |
| 国 | 人 | を | 守 | る | た | め | に | 自 | 藩 | の | 財 | 政 | が | 逼 | 迫 | す | る | こ | と | |
| を | 嘆 | い | て | 、 | 2 | 人 | の | イ | ギ | リ | ス | 人 | を | 殺 | 傷 | し | た | 。 | | |
| | こ | う | し | た | 攘 | 夷 | に | 絡 | ん | だ | 事 | 件 | が | 続 | 発 | し | て | い | た | |
| こ | と | で | 、 | 当 | 時 | が | 現 | 代 | と | 違 | う | 、 | 不 | 穩 | な | 時 | 代 | で | あ | |
| っ | た | こ | と | が | わ | か | る | 。 | | | | | | | | | | | | |
| | 1862/ | 文 | 久 | 2 | 年 | 1 | 月 | 、 | 坂 | 下 | 門 | 外 | の | 変 | が | 起 | き | た | 。 | |
| 尊 | 攘 | 派 | の | 水 | 戸 | 藩 | 浪 | 士 | が | 老 | 中 | 安 | 藤 | 信 | 正 | を | 襲 | 撃 | し | |
| 負 | 傷 | さ | せ | た | 事 | 件 | で | あ | る | 。 | 襲 | 撃 | の | 一 | 因 | と | し | て | 、 | |
| 御 | 殿 | 山 | に | 各 | 国 | の | 公 | 使 | 館 | を | 新 | 築 | す | る | と | い | う | 計 | 画 | |
| に | 対 | す | る | 憤 | り | が | あ | っ | た | 。 | よ | り | に | よ | っ | て | 、 | 江 | 戸 | |
| の | 入 | 口 | に | 、 | 外 | 国 | 人 | の | 住 | む | 屋 | 敷 | を | 作 | る | と | は | 何 | 事 | |
| か | 。 | 恥 | 辱 | 千 | 万 | だ | と | い | う | わ | け | だ | 。 | | | | | | | |
| | 当 | 時 | の | 御 | 殿 | 山 | は | 、 | 歌 | 川 | 広 | 重 | が | 御 | 殿 | 山 | 花 | 見 | と | |

題して浮世絵を書いたように、江戸湾を見渡
 せる風光明媚な場所であった。しかも、江戸
 で一番の桜の名所とも言われた場所だった。
 このような江戸の景勝地に、外国人の拠点な
 どは許せなかつたのだらう。
 こうした思いは、「禽獸にひとしき夷人等
 に府下の地は踏せまじきなり」と第15代将
 軍・徳川慶喜の実父である水戸斉昭が「明訓
 一斑抄」(1851年/嘉永4刊行)で記述した
 ものと同じであらう。
 その後、1862/文久2年8月に有名な生麦事
 件が起きた。馬に乗ったイギリス人4人が、
 薩摩藩の大名行列の列を乱して、切捨御免を
 被り死傷した。当時、進出してくる外国人た
 ちの傲慢さ、無礼さを苦々しく思っていた庶
 民からは「さすが薩摩様。よくぞやってくれ
 た」と歓迎されたという。
 そして、この生麦事件の半年後に、くだん
 のイギリス公使館焼き討ち事件が起きること
 になる。

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|
| 焼 | き | 討 | ち | 事 | 件 | を | 起 | こ | し | た | 高 | 杉 | 晋 | 作 | は | 、 | 1862/ | | |
| 文 | 久 | 2 | 年 | 5 | 月 | か | ら | 7 | 月 | に | か | け | て | 、 | 上 | 海 | へ | 渡 | 航 |
| し | て | い | た | 。 | こ | の | 渡 | 航 | 経 | 験 | で | 、 | 清 | が | イ | ギ | リ | ス | の |
| 侵 | 略 | を | 受 | け | て | い | る | 実 | 情 | を | 見 | て | 、 | 日 | 本 | へ | の | 危 | 機 |
| 感 | を | 持 | っ | た | と | 思 | わ | れ | る | 。 | 一 | 方 | で | 、 | 薩 | 摩 | 藩 | や | 水 |
| 戸 | 藩 | が | 攘 | 夷 | の | 成 | 果 | を | 上 | げ | て | い | る | こ | と | に | 比 | べ | 、 |
| 自 | 分 | の | 属 | す | る | 長 | 州 | 藩 | が | 攘 | 夷 | 路 | 線 | に | 転 | 換 | し | な | い |
| こ | と | に | 不 | 満 | を | 持 | っ | て | い | た | の | だ | ろ | う | 。 | 攘 | 夷 | の | 意 |
| 欲 | は | 、 | 満 | 々 | だ | っ | た | に | 違 | い | な | い | 。 | こ | の | 時 | 、 | 高 | 杉 |
| 晋 | 作 | は | 23 | 歳 | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| 高 | 杉 | 晋 | 作 | ら | は | 、 | 攘 | 夷 | の | た | め | に | 武 | 蔵 | 国 | 金 | 澤 | | |
| (| 金 | 沢 | 八 | 景 |) | を | 訪 | れ | る | 外 | 国 | 公 | 使 | を | 刺 | 殺 | し | よ | う |
| と | 考 | え | て | い | た | 。 | し | か | し | 、 | 計 | 画 | が | 漏 | れ | 、 | 謹 | 慎 | 処 |
| 分 | と | な | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| 1862/ | 文 | 久 | 2 | 年 | 1 | 1 | 月 | 、 | 謹 | 慎 | 中 | で | あ | り | な | が | ら | | |
| 攘 | 夷 | の | 思 | い | か | ら | 、 | 血 | 盟 | 書 | を | 作 | り | 御 | 楯 | 組 | を | 発 | 足 |
| し | た | 。 | 血 | 盟 | 書 | に | は | 、 | 「 | 国 | 家 | の | 御 | 楯 | と | な | る | べ | き |
| 覚 | 悟 | 」 | 「 | 尊 | 攘 | の | 志 | 屈 | し | 撓 | む | べ | か | ら | ず | 」 | 「 | 同 | 志 |
| の | 契 | 約 | 、 | 違 | 背 | い | た | し | 候 | 時 | は | 、 | ・ | ・ | ・ | 詰 | 腹 | に | 及 |
| ぶ | べ | し | 」 | と | い | う | 嚴 | 肅 | な | 言 | 葉 | が | 入 | っ | て | い | る | 。 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|-------|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|
| | 謹 | 慎 | 中 | に | も | か | か | わ | ら | ず | 、 | 攘 | 夷 | の | 決 | 意 | を | 血 | 盟 | |
| | 書 | に | す | る | と | い | う | 組 | 織 | に | 抗 | っ | た | 行 | 為 | は | 極 | 秘 | 裏 | に |
| | 行 | わ | れ | た | だ | ろ | う | 。 | | | | | | | | | | | | |
| | 1862/ | 文 | 久 | 2 | 年 | 12 | 月 | 、 | 英 | 国 | 公 | 使 | 館 | 焼 | き | 打 | ち | 事 | | |
| | 件 | を | 起 | こ | す | こ | と | に | な | る | 。 | | | | | | | | | |
| | 日 | 頃 | か | ら | 、 | 高 | 杉 | 晋 | 作 | ら | も | 、 | 御 | 殿 | 山 | で | 建 | 築 | 中 | |
| | の | 英 | 国 | 公 | 使 | 館 | を | 見 | て | 腹 | が | 立 | っ | た | の | だ | ろ | う | 。 | 20 |
| | 代 | 前 | 後 | の | 血 | 気 | 盛 | ん | な | 年 | 頃 | で | 、 | 神 | 州 | 日 | 本 | 、 | 滅 | 私 |
| | 奉 | 公 | と | い | う | 価 | 値 | 観 | に | 染 | ま | っ | て | い | た | 。 | 誰 | か | が | 焼 |
| | き | 打 | ち | を | や | ろ | う | と | 言 | う | と | 、 | 全 | 員 | 賛 | 成 | で | 一 | 気 | に |
| | 盛 | り | 上 | が | っ | た | の | で | は | な | い | か | と | 思 | う | 。 | 切 | 腹 | 覚 | 悟 |
| | の | 行 | 動 | ゆ | え | 、 | 最 | 後 | の | 酒 | 宴 | を | 品 | 川 | 宿 | の | 相 | 模 | 屋 | で |
| | 開 | い | た | 。 | 焼 | き | 打 | ち | は | 極 | 秘 | 事 | 項 | な | の | で | 、 | 誰 | も | 口 |
| | に | す | る | こ | と | な | く | 、 | 陽 | 気 | に | 酒 | を | 飲 | ん | だ | 。 | こ | れ | か |
| | ら | 一 | 騒 | 動 | 起 | こ | し | て | や | る | 一 | 一 | ワ | ク | ワ | ク | し | た | 気 | 持 |
| | ち | が | 1 | 人 | 1 | 人 | の | 胸 | の | 中 | で | 広 | が | っ | て | い | っ | た | だ | ろ |
| | う | 。 | こ | い | つ | ら | と | 一 | 緒 | に | 行 | 動 | 出 | 来 | て | 嬉 | し | い | 一 | 一 |
| | そ | ん | な | 連 | 帯 | 感 | も | 強 | く | 感 | じ | た | だ | ろ | う | 。 | 切 | 腹 | 覚 | 悟 |
| | と | い | う | 緊 | 張 | 感 | と | 仲 | 間 | と | 一 | 緒 | と | い | う | 高 | 揚 | 感 | で | 、 |
| | テ | ン | シ | ョ | ン | は | 最 | 高 | 潮 | に | 達 | し | た | 。 | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|----|---|---|
| 長 | 州 | 藩 | の | た | め | に | 身 | を | 捧 | げ | て | 、 | こ | の | 世 | を | 去 | っ | た | 。 |
| 久 | 坂 | 玄 | 瑞 | は | 、 | 吉 | 田 | 松 | 陰 | に | 少 | 年 | 奇 | 才 | 国 | 士 | 無 | 双 | | |
| と | 評 | さ | れ | 、 | 「 | 咲 | い | て | 牡 | 丹 | と | い | わ | れ | る | よ | り | も | | |
| ち | り | て | 桜 | と | い | わ | れ | た | い | 」 | を | 作 | っ | た | 。 | 自 | ら | 歌 | っ | |
| た | 通 | り | 、 | 桜 | に | な | っ | て | 散 | っ | て | し | ま | っ | た | 。 | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 次 | の | メ | ン | バ | ー | は | 、 | ど | う | な | っ | た | か | 。 | | | | | | |
| 禁 | 門 | の | 変 | の | 後 | 、 | 幕 | 府 | は | 朝 | 敵 | と | な | っ | た | 長 | 州 | 藩 | | |
| に | 対 | し | て | 、 | そ | の | 罪 | を | 問 | う | た | め | に | 長 | 州 | 征 | 伐 | （ | 第 | |
| 1 | 次 | ） | を | 行 | っ | た | 。 | 長 | 州 | 藩 | は | 、 | 四 | 国 | 艦 | 隊 | （ | 英 | 、 | |
| 仏 | 、 | 米 | 、 | 蘭 | ） | 下 | 関 | 事 | 件 | で | 負 | け | 、 | 攘 | 夷 | 派 | の | 勢 | 力 | |
| が | 衰 | え | て | い | た | こ | と | も | あ | り | 、 | 藩 | 内 | の | 幕 | 府 | 恭 | 順 | 派 | |
| が | 攘 | 夷 | 派 | を | 肅 | 清 | し | た | 。 | 難 | を | 逃 | れ | た | 高 | 杉 | 晋 | 作 | は | 、 |
| 後 | に | 、 | 下 | 関 | の | 功 | 山 | 寺 | で | 挙 | 兵 | し | て | 攘 | 夷 | 派 | の | 反 | 撃 | |
| を | 開 | 始 | し | た | 。 | こ | の | 反 | 撃 | を | 受 | け | 、 | 長 | 州 | 藩 | の | 幕 | 府 | |
| 恭 | 順 | 派 | は | 、 | 萩 | 野 | 山 | 獄 | に | 投 | 獄 | し | て | い | た | 攘 | 夷 | 派 | で | |
| あ | り | 、 | 焼 | き | 打 | ち | 参 | 加 | メ | ン | バ | ー | で | あ | る | 3 | 人 | を | 処 | |
| 刑 | し | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1864/ | 元 | 治 | 元 | 年 | 。 | 松 | 島 | 剛 | 蔵 | 一 | 一 | 享 | 年 | 40 | 。 | 大 | 和 | | | |
| 弥 | 八 | 郎 | 一 | 一 | 享 | 年 | 30 | 。 | 長 | 嶺 | 内 | 蔵 | 太 | 一 | 一 | 享 | 年 | 29 | 。 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|---|---|----|---|---|---|---|---|------|---|----|----|---|-------|-------|---|---|---|---|---|
| 血 | 盟 | 書 | に | 書 | か | れ | た | 「 | 尊 | 攘 | の | 志 | 屈 | し | 撓 | む | べ | か | | |
| ら | ず | 」 | を | 貫 | い | た | 8 | 人 | は | 、 | 時 | 代 | の | 波 | に | も | ま | れ | な | |
| が | ら | 、 | こ | の | 世 | を | 去 | っ | た | 。 | | | | | | | | | | |
| 一 | 方 | 、 | 英 | 国 | 公 | 使 | 館 | 焼 | き | 討 | ち | 事 | 件 | に | 参 | 加 | し | た | | |
| メ | ン | バ | ー | で | 、 | 4 | 人 | が | 1900 | 年 | 代 | ま | で | 存 | 命 | し | た | 。 | | |
| 享 | 年 | 順 | で | 、 | そ | の | 後 | の | 人 | 生 | を | 一 | 言 | で | 表 | し | て | み | る | 。 |
| 品 | 川 | 弥 | 二 | 郎 | は | 、 | 内 | 務 | 大 | 臣 | を | 務 | め | 、 | 1900/ | 明 | 治 | | | |
| 33 | 年 | 、 | 肺 | 炎 | の | た | め | 死 | 去 | — | — | 享 | 年 | 58 | 。 | | | | | |
| 伊 | 藤 | 博 | 文 | は | 、 | あ | ま | り | に | も | 有 | 名 | な | 人 | 物 | だ | が | 、 | | |
| 1909/ | 明 | 治 | 42 | 年 | 、 | 満 | 州 | の | ハ | ル | ビ | ン | 駅 | で | 、 | 大 | 韓 | 帝 | | |
| 国 | の | 民 | 族 | 運 | 動 | 家 | に | よ | っ | て | 暗 | 殺 | さ | れ | た | — | — | 享 | 年 | |
| 69 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 井 | 上 | 馨 | は | 、 | 諸 | 大 | 臣 | 職 | を | 歴 | 任 | し | 、 | 1915/ | 大 | 正 | 4 | | | |
| 年 | 、 | 別 | 荘 | に | て | 死 | 去 | — | — | 享 | 年 | 79 | 。 | | | | | | | |
| 山 | 尾 | 庸 | 三 | は | 、 | 法 | 制 | 局 | の | 初 | 代 | 長 | 官 | を | 務 | め | 、 | | | |
| 1917/ | 大 | 正 | 6 | 年 | 死 | 去 | — | — | 享 | 年 | 80 | 。 | | | | | | | | |
| こ | の | 4 | 人 | の | う | ち | の | 3 | 人 | （ | 伊 | 藤 | 博 | 文 | 、 | 井 | 上 | 聞 | | |
| 多 | 、 | 山 | 尾 | 庸 | 三 | ） | は | 、 | 一 | 緒 | に | イ | ギ | リ | ス | へ | 渡 | 航 | し | |
| た | 経 | 験 | が | あ | る | 。 | 渡 | 航 | 時 | 期 | は | 、 | 信 | じ | が | た | い | こ | と | |
| だ | が | 、 | 英 | 国 | 公 | 使 | 館 | 焼 | き | 討 | ち | 事 | 件 | の | 4 | か | 月 | 後 | だ | 。 |

| | |
|-----------------------|----------------------|
| | 攘夷に関わる事件が起こっている中で、幕 |
| 府は、 | 1863/文久3年3月に、5月10日を攘 |
| 夷決行の期日と決めていた。予定通り、長州 | |
| 藩は、その日、下関海峡を通過する外国船を | |
| 砲撃した。5月12日、渡航する3人は他の | |
| 長州藩士2人と一緒に、イギリスへ向けて横 | |
| 浜を出港した。 | |
| | |
| しかも、この出発の3カ月後には、焼き討 | |
| ち事件の同志3人が禁門の変で自刃すること | |
| になる。このように国内外ともに緊迫した情 | |
| 勢の中で、伊藤博文、井上聞多、山尾庸三の | |
| 3人は、なぜイギリス行きを決めたのか。 | |
| | |
| イギリス公使館を焼き打ちするぐらいの激 | |
| しい敵意を持っていたはずだ。焼き打ち実行 | |
| メンバーたちとの連帯感はどこにいったしま | |
| ったのか。疑問が湧く。 | |
| | |
| また、井上聞多、山尾庸三については、血 | |
| 盟書に名を連ねていた。血盟書の「尊攘の志 | |
| 屈し撓むべからず」の決意はどうなったのか。 | |
| | |
| 「同志の契約、違背いたし候時は、・・・詰 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 伊 | 藤 | 博 | 文 | 一 | 一 | 初 | 代 | 内 | 閣 | 総 | 理 | 大 | 臣 | 。 | 千 | 円 | 札 | の | | |
| 肖 | 像 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 井 | 上 | 聞 | 多 | (| 馨 |) | 一 | 一 | 内 | 務 | 大 | 臣 | 。 | 出 | 身 | 地 | 山 | 口 | | |
| 市 | に | 銅 | 像 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 山 | 尾 | 庸 | 三 | 一 | 一 | 工 | 部 | 卿 | 、 | 法 | 制 | 局 | 初 | 代 | 長 | 官 | 。 | | | |
| イ | ギ | リ | ス | 公 | 使 | 館 | 焼 | き | 打 | ち | の | メ | ン | バ | ー | で | あ | る | | |
| 品 | 川 | 弥 | 治 | 郎 | は | 、 | こ | の | 時 | の | イ | ギ | リ | ス | 渡 | 航 | に | 同 | 行 | |
| し | て | い | な | い | が | 、 | 1870/ | 明 | 治 | 3 | 年 | に | 渡 | 欧 | し | た | 。 | 後 | | |
| に | 内 | 務 | 大 | 臣 | と | な | る | 。 | 九 | 段 | 坂 | 公 | 園 | に | 銅 | 像 | が | あ | る | 。 |
| 渡 | 欧 | 組 | は | 、 | 見 | 事 | に | 立 | 身 | 出 | 世 | を | 果 | た | し | て | い | る | 。 | |
| 政 | 治 | 家 | と | し | て | 活 | 躍 | し | た | 伊 | 藤 | 博 | 文 | は | 、 | 御 | 殿 | 山 | | |
| を | 通 | る | 度 | に | 、 | 英 | 国 | 公 | 使 | 館 | 焼 | き | 討 | ち | 事 | 件 | を | 思 | い | |
| 出 | し | た | だ | ろ | う | と | 思 | う | 。 | 同 | 志 | の | 顔 | ぶ | れ | を | 思 | い | 出 | |
| し | て | い | た | に | 違 | い | な | い | 。 | | | | | | | | | | | |
| ど | の | よ | う | な | 思 | い | が | 、 | 彼 | の | 胸 | 中 | に | 去 | 来 | し | た | の | | |
| か | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 開 | 東 | 閣 | は | 、 | 岩 | 崎 | 家 | が | 伊 | 藤 | 博 | 文 | の | 邸 | 宅 | 地 | だ | っ | | |
| た | と | こ | ろ | を | 購 | 入 | し | た | そ | う | だ | 。 | | | | | | | | |
| 御 | 殿 | 山 | の | 隣 | に | あ | る | 八 | ツ | 山 | に | 邸 | 宅 | を | も | っ | た | 伊 | | |
| 藤 | 博 | 文 | の | 意 | 図 | は | 何 | だ | っ | た | の | か | 。 | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 栄 | 達 | の | 証 | だ | け | で | は | な | く | 、 | 同 | 志 | と | の | 思 | い | を | 共 | |
| 有 | し | た | 思 | い | 出 | の | 地 | と | し | て | 選 | ん | だ | の | だ | と | 思 | い | た |
| い | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | |
| < | 都 | 旧 | 跡 | > | | 最 | 初 | の | イ | ギ | リ | ス | 公 | 使 | 宿 | 館 | 跡 | | |
| | (| 港 | 区 | 高 | 輪 | | 東 | 禅 | 寺 |) | | | | | | | | | |
| < | 都 | 旧 | 跡 | > | | 最 | 初 | の | オ | ラ | ン | ダ | 公 | 使 | 宿 | 館 | 跡 | | |
| | (| 港 | 区 | 芝 | | 西 | 応 | 寺 |) | | | | | | | | | | |
| < | 都 | 旧 | 跡 | > | | 最 | 初 | の | フ | ラ | ン | ス | 公 | 使 | 宿 | 館 | 跡 | | |
| | (| 港 | 区 | 三 | 田 | | 濟 | 海 | 寺 |) | | | | | | | | | |
| < | 都 | 旧 | 跡 | > | | 最 | 初 | の | ア | メ | リ | カ | 公 | 使 | 宿 | 館 | 跡 | | |
| | (| 港 | 区 | 元 | 麻 | 布 | | 善 | 福 | 寺 |) | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 井 | 上 | 馨 | の | 余 | 談 | を | 1 | つ | 紹 | 介 | す | る | 。 | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| イ | ギ | リ | ス | へ | 渡 | 航 | し | た | が | 、 | 四 | 国 | 艦 | 隊 | (| 英 | 、 | 仏 | 、 |
| 米 | 、 | 蘭 |) | に | よ | る | 長 | 州 | 藩 | 攻 | 撃 | が | 近 | い | こ | と | を | 知 | っ |
| て | 、 | 1864/ | 元 | 治 | 1 | 年 | に | 、 | 伊 | 藤 | 博 | 文 | と | と | も | に | 急 | い | |
| で | 帰 | 国 | し | た | 。 | こ | の | あ | た | り | は | 、 | お | 家 | の | 一 | 大 | 事 | に |
| 駆 | け | つ | け | る | 武 | 士 | の | 精 | 神 | が | 表 | れ | て | い | る | 。 | | | |

長州藩での対策会議に入り込むが、鬚を落
 としてイギリスへ渡った男への不信感が大き
 かったのだろう。暗闇で切り付けられ、死に
 かけた。このとき、懐にしまっていた鏡が刃
 先から身を守ってくれたと言う。その鏡は、
 芸者の君尾から貰ったものだった。
 強運により命を落とさずに済んだ。
 切り付けられた刀傷がまだ癒えない頃に、
 自分の言うことを聞かない芸者のお雄に対し
 て、刀を抜いて、無理を通したそうだ。お雄
 は岩崎弥太郎のお気に入りだったため、その
 後一騒動あった。その結果、井上馨もお雄も
 お互い、今後は浮き名が立つようなことは一
 切しないと約束した。井上は、武士として誓
 った。
 しかし、数日後、井上馨は別の芸者と2人
 っきりでいるところを見つかる。武士として
 誓った約束を、簡単に反故にしたことになる。
 井上馨という男にとって、約束というの
 は何なのだろう。血盟書に署名しておきながら、

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 野 | 直 | 武 | が | 描 | 画 | 、 | 東 | 武 | 書 | 林 | の | 須 | 原 | 屋 | 市 | 兵 | 衛 | が | 刊 | |
| 行 | し | た | も | の | だ | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 杉 | 田 | 玄 | 白 | と | 中 | 川 | 淳 | 庵 | は | 、 | 若 | 狭 | 小 | 浜 | 藩 | の | 藩 | 医 | |
| で | 、 | 中 | 川 | 淳 | 庵 | は | 、 | 杉 | 田 | 玄 | 白 | の | 後 | 輩 | に | あ | た | る | 。 | |
| 前 | 野 | 良 | 沢 | は | 、 | 豊 | 前 | 中 | 津 | 藩 | の | 藩 | 医 | だ | っ | た | 。 | 桂 | 川 | |
| 甫 | 周 | は | 、 | 幕 | 府 | の | 医 | 者 | だ | っ | た | 。 | 小 | 田 | 野 | 直 | 武 | は | 、 | |
| 秋 | 田 | 藩 | 士 | で | 画 | 家 | 。 | | | | | | | | | | | | | |
| | こ | れ | ら | 各 | 藩 | の | 江 | 戸 | 藩 | 邸 | は | 、 | 場 | 所 | が | ば | ら | ば | ら | |
| だ | っ | た | の | で | 、 | 集 | ま | る | に | も | 一 | 苦 | 労 | だ | っ | た | ろ | う | 。 | |
| 小 | 浜 | 藩 | は | 新 | 宿 | 区 | 矢 | 来 | 町 | 、 | 中 | 津 | 藩 | は | 中 | 央 | 区 | 明 | 石 | |
| 町 | 、 | 秋 | 田 | 藩 | は | 台 | 東 | 区 | 台 | 東 | に | あ | っ | た | 。 | | | | | |
| | 解 | 体 | 新 | 書 | は | 、 | 3 | 年 | ほ | ど | か | か | っ | て | ま | と | ま | り | 、 | |
| 日 | 本 | 橋 | の | 須 | 原 | 屋 | 市 | 兵 | 衛 | が | 刊 | 行 | し | た | 。 | | | | | |
| | こ | う | し | て | 、 | 藩 | を | 越 | え | た | 強 | い | 志 | が | 込 | め | ら | れ | て | 、 |
| 西 | 洋 | 医 | 学 | の | 本 | 格 | 的 | な | 翻 | 訳 | 書 | が | 、 | 日 | 本 | に | 初 | め | て | |
| 誕 | 生 | し | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 「 | 解 | 体 | 新 | 書 | 」 | 翻 | 訳 | の | 苦 | 労 | は | 、 | 「 | フ | ル | ヘ | ッ | ヘ | |
| ン | ド | 」 | の | エ | ピ | ソ | ー | ド | で | 有 | 名 | だ | 。 | 「 | う | ず | た | か | く | |
| 盛 | り | 上 | が | っ | て | い | る | 」 | の | 意 | 味 | を | さ | ん | ざ | ん | 考 | え | 抜 | |
| い | た | 結 | 果 | 、 | 「 | 鼻 | 」 | に | た | ど | り | 着 | い | た | と | い | う | 話 | だ | 。 |

| |
|-----------------------|
| 小塚原刑場（荒川区南千住）で死体の腑分 |
| けを实見したことなどは、杉田玄白が後年記 |
| した「蘭学事始」に書かれている。江戸時代 |
| の三大刑場の1つである小塚原刑場は、日光 |
| 街道の入口にあった。死臭の漂う刑場で、死 |
| 体を切り刻むことを想像するだけで、ぞっと |
| するが、真理の探究者にとっては避けて通れ |
| ない場面だ。人の内臓はどうなっているのか |
| ――ここでも、強い好奇心に駆られた人たちが |
| いた。 |
| |
| |
| ■ ゆかりの地 |
| 〈都指定文化財〉 蘭学事始地（中央区明 |
| 石町） |
| 〈都旧跡〉 杉田玄白墓（港区虎ノ門 栄 |
| 閑院 猿寺） |
| - 前野良沢墓所； 慶安寺（杉並区梅里） |
| - 中川淳庵墓所； 金剛院（中野区上高田） |
| |
| |
| 解体新書翻訳の志を受けついで、大槻玄沢 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|
| ら | が | 改 | 訂 | に | と | り | か | か | っ | た | 。 | 年 | 月 | を | 経 | て | 、 | 1826/ | | |
| 文 | 政 | 9 | 年 | に | 重 | 訂 | 解 | 体 | 新 | 書 | と | し | て | 刊 | 行 | さ | れ | た | 。 | |
| 表 | 紙 | に | は | 、 | 杉 | 田 | 玄 | 白 | の | 開 | い | た | 天 | 真 | 楼 | 、 | 大 | 槻 | 玄 | |
| 沢 | が | 開 | い | た | 芝 | 蘭 | 堂 | と | い | う | 蘭 | 学 | 塾 | の | 名 | 前 | が | あ | る | 。 |
| 解 | 体 | 新 | 書 | 刊 | 行 | の | 志 | を | 継 | い | で | 、 | 2 | つ | の | 蘭 | 学 | 塾 | の | |
| 英 | 知 | が | 織 | り | こ | ま | れ | た | 。 | | | | | | | | | | | |
| | 天 | 真 | 楼 | は | 、 | 小 | 浜 | 藩 | 邸 | が | あ | っ | た | 新 | 宿 | 区 | 矢 | 来 | 町 | |
| の | 矢 | 来 | 公 | 園 | あ | た | り | に | あ | っ | た | よ | う | だ | 。 | 現 | 在 | こ | こ | |
| に | は | 、 | 「 | 小 | 浜 | 藩 | 邸 | 跡 | ・ | 玄 | 白 | 生 | 誕 | 地 | 」 | 記 | 念 | 碑 | が | |
| 立 | っ | て | い | る | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 芝 | 蘭 | 堂 | は | 中 | 央 | 区 | 京 | 橋 | あ | た | り | に | あ | っ | た | よ | う | だ | |
| が | 、 | 記 | 念 | 碑 | 等 | は | な | い | よ | う | だ | 。 | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 港 | 区 | 文 | 化 | 財 | | 旧 | 跡 | 〉 | | 大 | 槻 | 玄 | 沢 | 埋 | 葬 | の | 地 | | |
| | (| 港 | 区 | 高 | 輪 | | 東 | 禅 | 寺 |) | | | | | | | | | | |
| - | 小 | 浜 | 藩 | 邸 | 跡 | ・ | 玄 | 白 | 生 | 誕 | 地 | 記 | 念 | 碑 | | (| 新 | 宿 | 区 | |
| 矢 | 来 | 町 |) | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 余 | 談 | に | な | る | が | 、 | 大 | 槻 | 玄 | 沢 | の | 墓 | 所 | は | 、 | 先 | 述 | の | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| の | 古 | 書 | 店 | で | の | お | 値 | 段 | は | 350 | 万 | 円 | だ | そ | う | だ | 。 | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | こ | れ | ま | で | 書 | い | て | き | た | 攘 | 夷 | の | 志 | 、 | 西 | 洋 | 医 | 学 | へ | |
| の | 志 | — | — | 志 | の | 対 | 象 | は | 異 | な | る | が | 、 | 1 | 人 | 1 | 人 | が | 成 | |
| し | 遂 | げ | よ | う | と | 決 | 心 | し | た | こ | と | に | 違 | い | は | な | い | 。 | 同 | |
| じ | 志 | を | 持 | っ | た | も | の | が | 集 | ま | り | 、 | 困 | 難 | な | 目 | 標 | に | 向 | |
| か | っ | て | 力 | を | 出 | し | 合 | い | 、 | 成 | 果 | を | 出 | し | て | き | た | 。 | | |
| | ゲ | ー | ム | 機 | や | 携 | 帯 | 電 | 話 | に | 向 | か | っ | て | 背 | を | か | が | め | |
| る | 人 | の | 多 | い | 現 | 代 | に | あ | っ | て | 、 | 自 | ら | の | 志 | を | 顧 | み | る | |
| 機 | 会 | が | 必 | 要 | で | は | な | い | か | と | 思 | う | 。 | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | 尚 | 齒 | 会 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 御 | 殿 | 山 | が | 風 | 光 | 明 | 媚 | な | 場 | 所 | で | あ | っ | た | こ | と | を | 既 | |
| に | 紹 | 介 | し | た | が | 、 | 葛 | 飾 | 北 | 齋 | も | 富 | 嶽 | 三 | 十 | 六 | 景 | で | | |
| | 「 | 東 | 海 | 道 | 品 | 川 | 御 | 殿 | 山 | ノ | 不 | 二 | 」 | を | 描 | い | て | い | る | 。 |
| 描 | い | た | の | は | 、 | 天 | 保 | 時 | 代 | (1830-1843) | だ | 。 | | | | | | | | |
| | こ | の | 画 | に | は | 表 | れ | て | い | な | い | が | 、 | 天 | 保 | 時 | 代 | は | 飢 | |
| 饑 | 饉 | が | 何 | 度 | も | 起 | こ | っ | た | 。 | 洪 | 水 | や | 冷 | 害 | の | た | め | に | 、 |
| 飢 | 饉 | は | 7 | 年 | に | も | 及 | ん | だ | た | め | 「 | 天 | 保 | の | 飢 | 饉 | 」 | と | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 国 | 指 | 定 | | 史 | 跡 | 〉 | | 青 | 木 | 昆 | 陽 | 墓 | | (| 目 | 黒 | 区 | 下 | |
| 目 | 黒 | | 龍 | 泉 | 寺 |) | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 天 | 保 | の | 飢 | 饉 | を | 受 | け | て | 、 | 飢 | 饉 | 対 | 策 | を | 考 | え | る | た | |
| め | に | 、 | 蘭 | 学 | 者 | や | 儒 | 学 | 者 | を | 集 | め | た | 尚 | 齒 | 会 | と | い | う | |
| グ | ル | ー | プ | が | 出 | 来 | た | 。 | 主 | 宰 | し | た | 遠 | 藤 | 通 | は | 、 | 儒 | 学 | |
| 者 | で | あ | っ | た | が | 、 | 大 | 飢 | 饉 | に | 襲 | わ | れ | た | 惨 | 状 | を | 何 | と | |
| か | す | る | に | は | 、 | 蘭 | 学 | 、 | 儒 | 学 | な | ど | と | い | う | 分 | 野 | に | こ | |
| だ | わ | ら | ず | 英 | 知 | を | 集 | 結 | し | た | い | と | い | う | 思 | い | が | あ | っ | |
| た | に | 違 | い | な | い | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 尚 | 齒 | 会 | と | い | う | 言 | 葉 | に | は | 、 | 老 | 人 | を | 尊 | 敬 | し | 、 | そ | |
| の | 高 | 齡 | を | 祝 | う | た | め | に | 催 | す | 宴 | と | い | う | 意 | 味 | が | あ | る | 。 |
| | こ | の | 会 | の | 名 | 称 | は | 、 | 飢 | 饉 | 対 | 策 | を | 検 | 討 | す | る | と | い | |
| う | 趣 | 旨 | か | ら | は | 離 | れ | て | い | る | よ | う | に | 思 | え | る | 。 | な | ぜ | 、 |
| こ | ん | な | 名 | 称 | に | し | た | の | か | 。 | も | し | か | し | た | ら | 、 | 西 | 洋 | |
| の | 学 | 問 | を | 学 | ぶ | こ | と | が | 憚 | れ | る | 時 | 代 | 背 | 景 | を | 示 | 唆 | し | |
| て | い | る | の | か | も | し | れ | な | い | 。 | | | | | | | | | | |
| | 主 | 宰 | し | た | 遠 | 藤 | 通 | は | 、 | 飢 | 饉 | 対 | 策 | の | ハ | ン | ド | ブ | ッ | |

クとして「救荒便覧」を発刊した。救荒とは、
 飢饉に見舞われた人々を救うこと。
 尚齒会メンバーには、高野長英、小関三英、
 渡辺崋山などがいた。
 高野長英は、当時の蘭学者として最大の実
 力者であった。飢饉対策として、「救荒二物
 考」という本を著し、じゃがいもと早生のソ
 バの栽培法や調理法を詳しく説いた。
 また、この本の中で、早蕎麦の調理例とし
 てビールの醸造法も書かれているそうだ。
 小関三英は、幕府の天文方で蘭語翻訳係で
 あった。
 渡辺崋山は、絵で有名だが、三河国田原藩
 の家老でもあった。「凶荒心得書」という飢
 饉対応手引きを著した。
 尚齒会のテーマは、飢饉から始まったが、
 海防に及ぶようになった。
 幕府は、1825/文政8年に異国船打払令を制
 定して、日本の沿岸に近づく外国船を打ち払
 うよう命じた。

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1837/ | 天 | 保 | 8 | 年 | 、 | モ | リ | ソ | ン | 号 | 事 | 件 | が | 発 | 生 | す | る | 。 | | |
| ア | メ | リ | カ | の | 商 | 船 | で | あ | る | モ | リ | ソ | ン | 号 | は | 、 | イ | ギ | | |
| リ | ス | 軍 | 艦 | と | 勘 | 違 | い | さ | れ | て | 幕 | 府 | の | 命 | 令 | で | 砲 | 撃 | さ | |
| れ | た | 。 | 後 | に | 、 | モ | リ | ソ | ン | 号 | は | こ | の | 日 | 本 | 人 | 漂 | 流 | 民 | |
| の | 送 | 還 | と | 通 | 商 | ・ | 布 | 教 | の | た | め | に | 来 | 航 | し | て | い | た | 事 | |
| が | わ | か | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 幕 | 府 | は | 、 | モ | リ | ソ | ン | 号 | の | 再 | 来 | へ | の | 対 | 応 | を | 検 | 討 | | |
| し | た | が | 、 | 検 | 討 | 案 | の | 一 | 部 | が | 尚 | 齒 | 会 | に | 流 | れ | た | 。 | こ | |
| の | 情 | 報 | で | 、 | 幕 | 府 | の | 意 | 向 | は | 打 | ち | 払 | い | に | あ | り | と | の | |
| 認 | 識 | を | し | た | 高 | 野 | 長 | 英 | は | 「 | 戊 | 戌 | 夢 | 物 | 語 | 」 | を | 書 | き | 、 |
| 渡 | 辺 | 崑 | 山 | は | 「 | 慎 | 機 | 論 | 」 | を | 書 | い | て | 、 | 幕 | 府 | の | 政 | 策 | |
| を | 批 | 判 | し | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| し | か | し | 、 | 幕 | 府 | の | 決 | 定 | は | 、 | モ | リ | ソ | ン | 号 | 再 | 来 | の | | |
| こ | と | は | 考 | え | る | 必 | 要 | な | し | 、 | 漂 | 流 | 民 | は | オ | ラ | ン | ダ | 船 | |
| に | よ | る | 送 | 還 | の | み | 認 | め | る | と | い | う | も | の | だ | っ | た | 。 | | |
| 1838/ | 天 | 保 | 9 | 年 | に | 、 | 水 | 野 | 忠 | 邦 | は | 海 | 防 | の | た | め | 鳥 | | | |
| 居 | 耀 | 蔵 | 、 | 江 | 川 | 英 | 龍 | に | 関 | 東 | 沿 | 岸 | 巡 | 見 | の | 命 | を | 下 | す | 。 |
| 蘭 | 学 | を | 嫌 | う | 鳥 | 居 | 耀 | 蔵 | と | 洋 | 学 | を | 学 | ん | で | い | た | 江 | 川 | |
| 英 | 龍 | の | 間 | に | は | 、 | 小 | 競 | り | 合 | い | が | あ | っ | た | 。 | | | | |
| 江 | 川 | 英 | 龍 | は | 、 | 伊 | 豆 | 萑 | 山 | の | 代 | 官 | で | あ | る | が | 、 | 尚 | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 高 | 野 | 長 | 英 | ゆ | か | り | の | も | の | を | 2 | つ | 紹 | 介 | す | る | 。 | | |
| 1 | つ | は | 、 | 南 | 青 | 山 | に | 、 | 「 | 高 | 野 | 長 | 英 | 先 | 生 | 隠 | れ | | |
| 家 | 」 | の | 碑 | で | あ | る | 。 | こ | れ | は | 、 | ビ | ル | の | 柱 | の | 基 | 礎 | 部 |
| に | 埋 | め | 込 | ま | れ | て | い | る | 。 | | | | | | | | | | |
| 2 | つ | 目 | は | 、 | 北 | 青 | 山 | の | 善 | 光 | 寺 | に | あ | る | 、 | 勝 | 海 | 舟 | |
| の | 撰 | 文 | に | よ | る | 顕 | 彰 | 碑 | で | あ | る | 。 | | | | | | | |
| 渡 | 辺 | 崋 | 山 | 、 | 高 | 野 | 長 | 英 | 共 | に | 入 | っ | た | 伝 | 馬 | 町 | 牢 | 屋 | |
| 敷 | に | つ | い | て | は | 、 | 中 | 央 | 区 | 日 | 本 | 橋 | 小 | 伝 | 馬 | 町 | に | 「 | 都 |
| 旧 | 跡 | | 伝 | 馬 | 町 | 牢 | 屋 | 敷 | 跡 | 」 | と | い | う | 案 | 内 | 板 | が | 立 | て |
| ら | れ | て | い | る | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | |
| - | 高 | 野 | 長 | 英 | 終 | 焉 | の | 地 | (| 港 | 区 | 南 | 青 | 山 | | ス | パ | イ | ラ |
| ル | ホ | ー | ル |) | | | | | | | | | | | | | | | |
| - | 高 | 野 | 長 | 英 | の | 顕 | 彰 | 碑 | (| 港 | 区 | 北 | 青 | 山 | | 善 | 光 | 寺 |) |
| < | 都 | 指 | 定 | 文 | 化 | 財 | > | | 伝 | 馬 | 町 | 牢 | 屋 | 敷 | 跡 | | (| 中 | 央 |
| 区 | 日 | 本 | 橋 | 小 | 伝 | 馬 | 町 | | 十 | 恩 | 公 | 園 | 内 |) | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 鳥 | 居 | 耀 | 蔵 | の | 仕 | 組 | ん | だ | 権 | 謀 | 術 | 策 | 例 | を | も | う | 1 | つ | 。 |
| 高 | 島 | 秋 | 帆 | は | 、 | 1841/ | 天 | 保 | 12 | 年 | 、 | 武 | 州 | 徳 | 丸 | ヶ | 原 | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|----|---|---|
| (| 板 | 橋 | 区 | 高 | 島 | 平 |) | で | 日 | 本 | 初 | と | な | る | 洋 | 式 | 砲 | 術 | と |
| し | て | 大 | 砲 | の | 実 | 射 | 、 | 洋 | 式 | 銃 | 陣 | と | し | て | 銃 | 隊 | に | よ | る |
| 突 | 撃 | ・ | 斉 | 射 | な | ど | を | 披 | 露 | し | た | 。 | 演 | 習 | は | 成 | 功 | 裡 | に |
| 終 | 了 | し | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | こ | れ | を | 踏 | ま | え | て | 、 | 板 | 橋 | 区 | 高 | 島 | 平 | の | 高 | 島 | と | い |
| う | 地 | 名 | は | 、 | 高 | 島 | 秋 | 帆 | に | 因 | ん | で | つ | け | ら | れ | た | 。 | |
| | 幕 | 府 | は | 高 | 島 | 秋 | 帆 | か | ら | 大 | 砲 | を | 買 | い | 上 | げ | 、 | か | つ |
| 西 | 洋 | 砲 | 術 | を | 旗 | 本 | に | 伝 | 授 | す | る | こ | と | 決 | 定 | し | た | 。 | 伝 |
| 授 | を | 受 | け | る | こ | と | に | な | っ | た | の | が | 、 | 奇 | し | く | も | 、 | 尚 |
| 齒 | 会 | に | い | た | 江 | 川 | 英 | 龍 | だ | っ | た | 。 | | | | | | | |
| | し | か | し | 、 | 幕 | 府 | か | ら | 重 | 用 | さ | れ | る | こ | と | を | 妬 | ん | だ |
| 鳥 | 居 | 耀 | 蔵 | の | 「 | 密 | 貿 | 易 | を | し | て | い | る | 」 | と | い | う | 偽 | り |
| の | 訴 | え | に | よ | り | 、 | 高 | 島 | 秋 | 帆 | は | 、 | 翌 | 1842/ | 天 | 保 | 13 | 年 | |
| に | 長 | 崎 | 奉 | 行 | に | 逮 | 捕 | ・ | 投 | 獄 | さ | れ | 、 | 高 | 島 | 家 | は | 断 | 絶 |
| と | な | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 都 | 旧 | 跡 | 〉 | | 徳 | 丸 | ヶ | 原 | | (| 板 | 橋 | 区 | 高 | 島 | 平 | | 徳 |
| 丸 | ヶ | 原 | 公 | 園 |) | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 都 | 指 | 定 | 文 | 化 | 財 | 旧 | 跡 | 〉 | | 高 | 島 | 秋 | 帆 | の | 墓 | | (| 文 |

た後に老中となつた阿部正弘にも重用された。
 阿部正弘の命を受け、1853/嘉永6年の夏、勘
 定奉行の川路聖謨と江戸湾を巡視した。江戸
 の防衛ラインをつくるためである。
 こうして、江川英龍自身が指揮を執り、品
 川台場の築造が始まったが、わずか8か月で
 品川台場を竣工したという。それぐらい、江
 戸防衛については、切羽詰まっていたという
 ことだ。大量の土砂、岩石を運んで来て海に
 沈めて台場を作っていく作業は、相当大がかり
 だった。この工程の中で、御殿山、八ツ山
 から大量の土砂が運び込まれた。その結果、
 御殿山、八ツ山付近の山はなくなってしまう
 た。
 当初は11の台場を築造予定であった。ど
 の台場をどのように作っていくかを同時進行
 で進めていくことになるので、しっかりした
 計画と進捗把握が必要だった。加えて、技術
 的な問題、資金の問題、人手の問題という類
 の難題をすぐに解決しないと、先へ進めなか

った。相当しっかりした指揮官でない、組織を動かさない。
 尚齒会に参加して得た洋学の知識、高島秋帆から伝授された西洋砲術、そして、江川英龍自身の能力と人間力――これらが結集された指揮で、8か月での竣工に至ったのではないかと思われる。
 地元蕪山では、領民のための施策を打つ江川英龍を「世直し江川大明神」と呼んで敬愛したそう。代官と言え、悪役というのが普通である。これほど尊敬される代官は、他にいなかったのではないだろうか。
 江川英龍は、台場竣工の翌年、1855/安政2年に、その生涯を閉じた。享年53。
 切羽詰まった台場建設は、江川英龍に過労と強いストレスを負わせたに違いない。耐えながら台場建設の指揮を執ったと想像する。ようやく竣工となり、緊張感が解かれた。しかし、弱っていた体を病魔が襲う。国土防衛に関わる一世一代の大仕事を終えた江川英龍

とっては、武士の本懐を遂げることができた
 のではないだろう。
 命がけで築かれた台場ではあったが、発砲
 の機会もなく、役割を終えた。台場建設は徒
 労だったのだろうか。いや、後世の我々にと
 っては、台場は、江川英龍らの志を伝える遺
 構と考えたい。東京湾の一風景に溶け込んで
 いる台場ではあるが、そこには、強い志が込
 められているということメッセージとして
 受けとりたい。
 江川英龍に関する意外なエピソードを紹介
 する。
 江川英龍没後、約百年を経て、江川英龍は、
 「パン祖」として祭り上げられる。江川英龍
 が兵隊の携行食糧用としてパンを焼いたこと
 で、パンを全国に広めることになったという。
 この功績を称え、昭和28年に全国パン協議
 会が、江川邸（伊豆の国市）に「パン祖の
 碑」を建てた。
 都内で江川英龍に因んだ場所として跡があ

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|-------|---|-------|---|---|----|---|---|---|---|---|----|-------|---|---|---|---|---|
| る | の | は | 、 | 1841/ | 天 | 保 | 12 | 年 | 芝 | 新 | 銀 | 座 | に | 開 | い | た | 「 | 高 | |
| 島 | 流 | 洋 | 式 | 砲 | 術 | 教 | 授 | 」 | の | 教 | 場 | 跡 | や | 生 | 涯 | を | 終 | え | た |
| 地 | が | あ | る | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 国 | 史 | 跡 | 〉 | | 品 | 川 | 台 | 場 | ； | 第 | 三 | / | 第 | 六 | | (| 港 | 区 |
| 台 | 場 |) | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 都 | 旧 | 跡 | 〉 | | 江 | 川 | 氏 | 調 | 練 | 場 | 跡 | | (| 港 | 区 | 海 | 岸 |) |
| - | 江 | 川 | 太 | 郎 | 左 | 衛 | 門 | 英 | 龍 | 終 | 焉 | 之 | 地 | | (| 墨 | 田 | 区 | 亀 |
| 沢 |) | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 台 | 場 | 築 | 造 | の | た | め | に | 、 | 御 | 殿 | 山 | か | ら | 土 | 砂 | を | 削 | り |
| 取 | っ | た | こ | と | を | 紹 | 介 | し | た | 。 | | | | | | | | | |
| | 削 | り | 取 | ら | れ | た | 跡 | が | 浮 | 世 | 絵 | に | 描 | か | れ | て | い | る | 。 |
| 歌 | 川 | 広 | 重 | の | 「 | 名 | 所 | 江 | 戸 | 百 | 景 | 」 | (| 1856/ | 安 | 政 | 3 | 年 | |
| か | ら | 1858/ | 安 | 政 | 5 | 年 |) | の | 中 | に | あ | る | 28 | 景 | 「 | 品 | 川 | 御 | |
| 殿 | や | ま | 」 | で | あ | る | 。 | | | | | | | | | | | | |
| | こ | の | 画 | の | 中 | 央 | い | っ | ぱ | い | に | 、 | 山 | を | 削 | ら | れ | て | 切 |
| り | 立 | っ | た | 崖 | が | 描 | か | れ | て | い | る | 。 | 山 | 肌 | は | ぎ | ざ | ぎ | ざ |
| で | 痛 | い | 痛 | し | い | 。 | そ | の | 崖 | の | 上 | に | 、 | 満 | 開 | の | 桜 | 林 | と |

高くそびえる松が描かれている。歌川広重は、
 御殿山の桜を何枚も書いている。イギリス公
 使館焼き打ち事件のところで書いたように、
 御殿山は江戸で一番の桜の名所とも言われた。
 歌川広重晩年の作品である「名所江戸百景」
 の中のこの画は、美しい桜の名所を破壊した
 という怒りと晩年になってこんな哀れな御殿
 山を見ることになってしまった悲しみがこも
 っているのではないかと思う。
 尚齒会メンバーの話に戻る。
 川路聖謨も尚齒会に参加していた。1853/ 嘉
 永6年、さきほどの江川英龍と江戸湾を巡視
 し、勘定奉行として台場築造に関わった。
 また、幕府の全権代表として、開国要求を
 掲げる露使プチャーチンと交渉を行った。そ
 の結果、日露和親条約を締結するに至った。
 その後、川路聖謨は、井伊直弼の大老就任
 により左遷されるが、1863/ 文久3年、外国奉
 行に起用された。のち病のため退官し、江戸

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|----|----|----|-------|---|---|---|---|-------|---|----|---|---|----|---|---|---|---|
| 開 | 城 | 直 | 前 | の | 1868/ | 明 | 治 | 元 | 年 | 3 | 月 | 15 | 日 | に | 自 | 害 | し | た | 。 |
| 享 | 年 | 68 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 晩 | 年 | は | 、 | 中 | 風 | で | 半 | 身 | 不 | 随 | に | な | っ | て | い | た | ら | し |
| い | 。 | 自 | 害 | は | 、 | 割 | 腹 | の | 上 | ピ | ス | ト | ル | で | 喉 | を | 撃 | ち | 抜 |
| い | た | と | 言 | わ | れ | る | 。 | 御 | 隠 | 居 | の | 身 | な | が | ら | 自 | 殺 | す | る |
| と | は | … | … | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 幕 | 府 | と | 運 | 命 | を | 共 | に | す | る | と | い | う | 武 | 士 | と | し | て | の |
| 矜 | 持 | の | 表 | れ | だ | っ | た | の | か | も | し | れ | な | い | 。 | 一 | 線 | を | 引 |
| い | て | 、 | 幕 | 府 | の | 凋 | 落 | を | 見 | て | き | た | 。 | | | | | | |
| | 振 | り | 返 | っ | て | み | る | と | 、 | 1867/ | 慶 | 応 | 3 | 年 | 10 | 月 | 大 | 政 | |
| 奉 | 還 | 、 | 15 | 代 | 将 | 軍 | 徳 | 川 | 慶 | 喜 | は | 、 | 政 | 権 | を | 朝 | 廷 | へ | 返 |
| 上 | し | た | 。 | 12 | 月 | 初 | 旬 | の | 王 | 政 | 復 | 古 | の | 大 | 号 | 令 | 、 | 天 | 皇 |
| を | 中 | 心 | と | す | る | 新 | 政 | 府 | 樹 | 立 | 。 | 慶 | 応 | 4 | 年 | / | 明 | 治 | 1 |
| 年 | 、 | 鳥 | 羽 | ・ | 伏 | 見 | の | 戦 | い | — | — | 幕 | 府 | の | 完 | 敗 | 。 | | |
| | 江 | 戸 | 城 | 進 | 撃 | の | 予 | 定 | は | 3 | 月 | 15 | 日 | 。 | | | | | |
| | 自 | ら | 身 | を | 捧 | げ | 、 | 信 | じ | て | き | た | も | の | が | 潰 | さ | れ | て |
| い | く | 。 | 守 | り | に | 行 | き | た | い | が | 、 | 動 | か | ぬ | 体 | 。 | 焦 | 燥 | 感 |
| に | 包 | ま | れ | る | が | 、 | ど | う | に | も | な | ら | な | い | 。 | 悶 | 々 | と | し |
| て | い | る | う | ち | に | 、 | 決 | 意 | に | た | ど | り | 着 | く | 。 | | | | |
| | も | は | や | 、 | 将 | 軍 | も | 幕 | 府 | も | こ | れ | ま | で | — | — | 無 | 念 | の |

天保改革が行われていた頃に、鳥居耀蔵が
 仕組んだ蛮社の獄が起こった。
 これで、蘭学者からの幕政批判はしにくく
 なった。幕政批判に通じるものより、純然た
 る學術書を翻訳、出版した方が無難という雰
 囲気もあったのだろうと思う。
 宇田川榕庵が、『舎密開宗』を出版した。
 これは、日本ではじめての近代化学を紹介す
 る本として位置づけられる。
 どんなことが書いてあるのかと気になって
 ページを開いてみた。すると、「金属酸化還
 元第一百七十章」の冒頭に「一切ノ金属皆酸素
 ヲ受テ酸化ス……」という記述があった。こ
 のあたりなら、自分にもわかる。
 酸素、水素、窒素、炭素といった元素名は、
 宇田川榕庵の造語だそう。造語は、これま
 でに表現されていなかったことの本質を突い
 て簡潔に置き換えるということだろう。造語
 のプロセスとしては、まず、化学現象の本質
 を理解しなければならぬ。次に、当てはま

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| り | そ | う | な | 言 | 葉 | を | あ | れ | こ | れ | と | ひ | っ | ぱ | っ | て | き | た | り | 、 |
| く | っ | っ | け | た | り | し | な | が | ら | 候 | 補 | を | 捻 | り | だ | し | て | い | く | 。 |
| 候 | 補 | の | 言 | 葉 | に | 反 | 例 | や | 矛 | 盾 | を | ぶ | っ | け | て | 検 | 証 | し | て | 、 |
| 現 | 世 | の | 化 | 学 | の | 世 | 界 | に | 入 | れ | て | あ | げ | て | も | 、 | 混 | 乱 | し | |
| な | い | か | ど | う | か | を | 確 | 認 | す | る | 。 | 多 | 分 | 、 | こ | の | よ | う | な | |
| 検 | 討 | を | 経 | て | 、 | 造 | 語 | は | 作 | ら | れ | て | 導 | 入 | さ | れ | て | い | く | |
| の | だ | ろ | う | と | 思 | う | 。 | | | | | | | | | | | | | |
| | 今 | か | ら | 約 | 1 | 7 | 0 | 年 | 前 | に | 、 | 宇 | 田 | 川 | 榕 | 庵 | が | 案 | 出 | |
| し | た | 酸 | 素 | 、 | 水 | 素 | 、 | 窒 | 素 | 、 | 炭 | 素 | と | い | う | 言 | 葉 | は | 、 | |
| 長 | い | 年 | 月 | の | 風 | 雪 | に | 耐 | え | て | 残 | っ | た | 。 | こ | れ | ら | の | 言 | |
| 葉 | を | 私 | た | ち | は | 継 | 承 | し | て | い | る | 。 | だ | か | ら | 、 | そ | れ | ぞ | |
| れ | の | 言 | 葉 | の | 由 | 来 | を | 素 | 人 | な | り | に | 想 | 像 | で | き | る | 。 | | |
| | 酸 | 素 | は | 、 | 酸 | 化 | の | 素 | だ | か | ら | 酸 | 素 | 。 | | | | | | |
| | 水 | 素 | は | 、 | 水 | の | 素 | だ | か | ら | 水 | 素 | 。 | | | | | | | |
| | 窒 | 素 | は | 、 | 息 | が | で | き | な | い | = | つ | ま | る | (| 窒 |) | の | 素 | |
| だ | か | ら | 窒 | 素 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 炭 | 素 | は | 、 | 黒 | い | ス | ミ | の | 素 | だ | か | ら | 炭 | 素 | 。 | | | | |
| | こ | れ | ら | の | 言 | 葉 | は | 、 | わ | か | り | や | す | い | と | い | う | こ | と | |
| だ | 。 | 今 | で | も | 当 | た | り | 前 | で | 使 | わ | れ | て | い | る | と | い | う | こ | |
| と | は | 、 | 宇 | 田 | 川 | 榕 | 庵 | の | 造 | 語 | 力 | の | 素 | 晴 | ら | し | さ | を | 表 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|---|---|---|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| た | こ | と | に | 連 | 座 | し | て | 、 | 佐 | 久 | 間 | 象 | 山 | も | 伝 | 馬 | 町 | の | 牢 | |
| 屋 | 敷 | に | 投 | 獄 | さ | れ | て | し | ま | っ | た | 。 | | | | | | | | |
| | 最 | 後 | は | 、 | 尊 | 皇 | 攘 | 夷 | 派 | に | よ | り | 暗 | 殺 | さ | れ | た | 。 | 享 | |
| 年 | 54 | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 佐 | 久 | 間 | 象 | 山 | は | 、 | 洋 | 学 | の | 第 | 一 | 人 | 者 | と | 言 | わ | れ | な | |
| が | ら | も | 、 | 尊 | 皇 | 攘 | 夷 | 運 | 動 | の | 犠 | 牲 | に | な | っ | て | し | ま | っ | |
| た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | | |
| - | 佐 | 久 | 間 | 象 | 山 | 塾 | 跡 | | (| 中 | 央 | 区 | 銀 | 座 |) | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 佐 | 久 | 間 | 象 | 山 | も | 読 | ん | だ | と | 思 | わ | れ | る | 蘭 | 訳 | 本 | 「 | 理 | |
| 学 | 原 | 始 | 」 | は | 、 | 川 | 本 | 幸 | 民 | が | 訳 | 者 | で | あ | る | 。 | | | | |
| | 川 | 本 | 幸 | 民 | は | 、 | 1835/ | 天 | 保 | 6 | 年 | に | 、 | 芝 | 露 | 月 | 町 | | | |
| | (| 港 | 区 | 東 | 新 | 橋 |) | で | 医 | 業 | を | 開 | 業 | す | る | 。 | そ | の | 後 | 、 |
| 川 | 本 | 幸 | 民 | は | 、 | 「 | 理 | 学 | 原 | 始 | 」 | を | 翻 | 訳 | し | 、 | こ | れ | を | |
| ベ | ー | ス | に | 「 | 遠 | 西 | 奇 | 器 | 述 | 」 | を | 著 | し | た | 。 | | | | | |
| | 「 | 遠 | 西 | 奇 | 器 | 述 | 」 | に | は | 、 | 直 | 写 | 影 | 鏡 | 、 | 蒸 | 気 | 車 | 、 | |
| 伝 | 信 | 機 | の | 説 | 明 | が | 書 | か | れ | て | い | る | 。 | 直 | 写 | 影 | 鏡 | は | カ | |
| メ | ラ | 、 | 蒸 | 気 | 車 | は | 蒸 | 気 | 機 | 関 | 車 | 、 | 伝 | 信 | 機 | は | 指 | 字 | 電 | |

信機のことである。川本幸民は、日本には無
 かった技術が蘭書に書かれているのを見て、
 びっくりしたはずだ。人の姿を写し取れる直
 写影鏡、時速約50キロで走る蒸気車、文字
 の交信が出来る伝信機。これらは、ドラエモ
 ンのポケットから出てくるような異次元の技
 術品だったろう。無我夢中で、構造、メカニ
 ズムを調べたに違いない。その興奮を想像す
 ると、自分も興奮してしまいそうになる。
 「遠西奇器述」は、当時の人たちに大きな
 影響を与えたと思われる。イギリス公使館焼
 き打ち事件を起こした後にイギリスへ渡航す
 る伊藤博文、井上聞多、山尾庸三へも少なか
 らず影響を与えたのではないかと思う。未知
 の道具を持つイギリスとは如何なる所か、と
 いう好奇心がそそられたと思う。
 その後、川本幸民は、1859/安政6年に蕃書
 調所の教授に任命された。1861/文久元年、ド
 イツ語で書かれた専門書の翻訳本「化学新
 書」を出版した。この中で、従来から使われ

てきた「舎密（せいみ）学」という言葉を
 「化学」という言葉に置き換えて用いたのは、
 川本幸民が最初だった。化学新書には分子式
 の原形も初めて示された。日本化学にとって
 非常に重要な書物と評され、川本幸民は、
 「日本化学の祖」と呼ばれている。
 洋学の翻訳本の話をしてきた。シヨメール
 の「家庭百科辞書」の蘭訳本は、幕府が作っ
 た。朱子学を正学としていた幕府が、外国語
 の翻訳を行うというのは馴染まない感じがす
 るが、組織としての翻訳機能は持っていたよ
 うだ。ルーツをたどると、蛮書和解御用掛に
 行きつく。これは、1811/文化8年に江戸幕府
 によって設置された蘭書を中心とした翻訳機
 関であり、幕府の天文方に置かれた。
 蛮書和解御用掛と書かれても、いまいちピ
 ンとこないのも、言葉をばらして意味を確認
 してみる。蛮書とは、江戸時代に、欧米、特
 にオランダの書籍や文書をさしていった言葉
 である。和解は、「わかひ」ではなく「わ

げ」。つまり、外国文を日本語で解釈すること。
 御用掛は、役所の命を受けて用務をつかさど
 った職のこと。ということで、蛮書和解御用
 掛は、オランダ語の翻訳係ということになる。
 蛮書和解御用掛では、フランス人シヨメー
 ルの「家庭百科辞書」の蘭訳本の翻訳を高橋
 景保の下で行うことになった。翻訳は、馬場
 貞由が中心となり、大槻玄沢、宇田川玄真ら
 も参加し、生活や産業に役立つ項目が訳され
 た。馬場貞由は、オランダ語、フランス語、
 英語に通じ、後年はロシア語も学んだ語学の
 天才だった。言語、技術の一流どころが集め
 られて翻訳に取り組んだ。
 訳書は「厚生新編」と呼ばれた。当時の幕
 命による翻訳事業としては最大のものだった。
 期間は、1811/文化8年～1846/弘化3年と30
 年以上かけられ、訳稿は約100巻に及んだが未
 刊に終わった。鎖国下で、洋学の普及を良し
 としない幕府の立場からすれば、このような
 訳本を出版するわけにはいかなかったのかも

| | |
|----------------------------|-------------------|
| 1862/ | 文久2年に、幕府の洋書調所から、本 |
| 格的な英和辞書が発行された。「英和対訳袖 | |
| 珍辞書（えいわたいやくしゅうちんじしよ）」 | |
| で、収録語数は約3万2千語、発行部数が2 | |
| 00部という。 | |
| 袖珍とは、袖に入れて携帯するのに便利な | |
| ポケット判という意味だそうだ。 | |
| 試しに、Alien、Aliveの意味を引いてみると、 | |
| Alien 他国ノ人 | |
| Alive 生きて居ル・血気アル・活動アル | |
| と漢字カナ書きで書いてある。書いてある | |
| 意味は、現代でも十分通用する。素晴らしい。 | |
| この辞書が発行された1862/文久2年12月は、 | |
| イギリス公使館焼き打ち事件が起きた月でも | |
| ある。攘夷派は、外国人を「躑舌の夷人」と | |
| 言っていた。躑舌は、もずのさえずり一一転 | |
| じて、外国人の話す、意味のわからない言葉 | |
| をいやしめていう語である。 | |
| 学ぶための英語の辞書が生まれたが、一方 | |
| でその国の公使館が襲撃対象になるという異 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|---|---|---|---|----|---|-------|---|-------|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|
| 常 | な | 時 | 代 | だ | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | |
| | 因 | み | に | 、 | 蘭 | 語 | の | 本 | 格 | 的 | な | 辞 | 書 | は | 、 | 60 | 年 | 以 | 上 |
| 前 | に | 誕 | 生 | し | て | い | た | 。 | 1796/ | 寛 | 政 | 8 | 年 | 、 | 稲 | 村 | 三 | 伯 | |
| ら | に | よ | る | 「 | ハ | ル | マ | 和 | 解 | 」 | （ | 収 | 録 | 語 | 数 | は | 、 | 約 | 6 |
| 万 | 4 | 千 | 語 | ） | で | あ | る | 。 | 発 | 行 | 時 | 期 | や | 、 | 収 | 録 | 語 | 数 | か |
| ら | 考 | え | る | と | 、 | 外 | 国 | 語 | の | 重 | 要 | 性 | と | し | て | 、 | 英 | 語 | よ |
| り | 蘭 | 語 | が | 圧 | 倒 | 的 | に | 高 | か | っ | た | こ | と | が | わ | か | る | 。 | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 蕃 | 書 | 調 | 所 | か | ら | 、 | 「 | 蕃 | 書 | 」 | が | 無 | く | な | っ | て | 「 | 洋 |
| 書 | 調 | 所 | 」 | に | 変 | わ | っ | た | よ | う | に | 、 | 安 | 政 | 年 | 間 | に | は | 、 |
| 蘭 | 学 | の | 地 | 位 | 向 | 上 | の | 証 | が | 幕 | 府 | の | 医 | 者 | に | も | 起 | こ | っ |
| た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 伊 | 東 | 玄 | 朴 | は | 、 | 1858/ | 安 | 政 | 5 | 年 | 7 | 月 | に | 、 | 戸 | 塚 | 静 | |
| 海 | と | と | も | に | 幕 | 府 | 奥 | 医 | 師 | に | 挙 | 用 | さ | れ | た | 。 | 奥 | 医 | 師 |
| は | 、 | 将 | 軍 | の | 診 | 察 | を | 行 | う | 重 | 要 | 職 | で | あ | る | 。 | 蘭 | 方 | 内 |
| 科 | 医 | が | 幕 | 医 | に | 登 | 用 | さ | れ | た | の | は | 、 | 伊 | 東 | 玄 | 朴 | 、 | 戸 |
| 塚 | 静 | 海 | が | 最 | 初 | だ | っ | た | 。 | | | | | | | | | | |
| | 同 | 年 | 1 | 1 | 月 | 、 | 戸 | 塚 | 静 | 海 | は | 、 | 法 | 眼 | と | な | っ | た | 。 |
| 1861/ | 文 | 久 | 元 | 年 | 12 | 月 | 、 | 伊 | 東 | 玄 | 朴 | は | 、 | 蘭 | 方 | 医 | と | し | |
| て | は | 初 | め | て | 法 | 印 | と | な | り | 、 | 名 | 実 | と | も | に | 蘭 | 方 | 医 | の |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-------|---|---|----|-------|---|-------|---|---|---|-------|----|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 頂 | 点 | に | 立 | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 因 | み | に | 、 | 幕 | 府 | 奥 | 医 | 師 | の | 首 | 席 | は | 朝 | 廷 | か | ら | 法 | 印 | 、 |
| 次 | 席 | は | 法 | 眼 | に | 任 | 用 | す | る | 序 | 列 | で | あ | っ | た | 。 | | | | |
| | こ | の | よ | う | に | 出 | 世 | し | た | 伊 | 東 | 玄 | 朴 | 、 | 戸 | 塚 | 静 | 海 | と | |
| 次 | に | 紹 | 介 | す | る | 坪 | 井 | 信 | 道 | は | 、 | 江 | 戸 | の | 三 | 大 | 蘭 | 方 | 医 | |
| と | 言 | わ | れ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 坪 | 井 | 信 | 道 | は | 、 | 1825/ | 文 | 政 | 9 | 年 | 、 | わ | が | 国 | 初 | の | 病 | | |
| 態 | 生 | 理 | 学 | 書 | と | 言 | わ | れ | る | 「 | 診 | 候 | 大 | 概 | 」 | を | 著 | し | た | 。 |
| 蘭 | 方 | 医 | 学 | に | 基 | づ | く | 診 | 断 | 法 | の | 概 | 要 | を | 紹 | 介 | し | 、 | 体 | |
| 温 | 計 | を | 用 | い | て | 体 | 温 | を | 測 | 定 | す | る | 方 | 法 | が | 論 | じ | ら | れ | |
| て | い | る | そ | う | だ | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 1829/ | 文 | 政 | 12 | 年 | 、 | 深 | 川 | 上 | 木 | 場 | に | 蘭 | 学 | 塾 | 安 | 懷 | 堂 | | |
| を | 、 | つ | い | で | 1832/ | 天 | 保 | 3 | 年 | 、 | 冬 | 木 | 町 | に | 日 | 習 | 堂 | を | | |
| 開 | い | た | 。 | こ | の | 時 | 、 | 坪 | 井 | 信 | 道 | 38 | 才 | 。 | 多 | く | の | 門 | 弟 | |
| を | 教 | え | な | が | ら | 、 | 三 | 大 | 蘭 | 方 | 医 | の | 1 | 人 | と | し | て | の | 評 | |
| 判 | を | 得 | な | が | ら | 、 | 江 | 戸 | の | 人 | 々 | の | 病 | 気 | を | 治 | し | て | い | |
| っ | た | の | だ | ろ | う | 。 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 門 | 下 | 生 | に | 緒 | 方 | 洪 | 庵 | が | い | る | 。 | | | | | | | | |
| | 緒 | 方 | 洪 | 庵 | は | 、 | 天 | 然 | 痘 | 治 | 療 | に | 貢 | 献 | し | 日 | 本 | の | 近 | |
| 代 | 医 | 学 | の | 祖 | と | 言 | わ | れ | る | 。 | 1858/ | 安 | 政 | 5 | 年 | の | コ | レ | | |

| |
|-------------------------|
| 安政年間に西洋医学の地位が向上した一方 |
| で、江戸では、安政2年の大地震や安政3年 |
| の台風による大洪水などの自然災害が発生し |
| た時期でもあった。現代のように、自然災害 |
| に対して、対策を積み上げてきた時代とは異 |
| なり、脆弱な家屋や治水能力では、全く為す |
| 術がなかつただろう。 |
| 1855/安政2年10月、本所・深川・浅草など |
| の江戸の下町を直下型の激震（M=6.9）が襲っ |
| た。「安政江戸地震」と呼ばれる。家屋の潰 |
| れ・焼失1万4千軒、死者約4千人と言われ |
| る。地震による出火の被害も大きく、新吉原 |
| の遊郭では700人の遊客、遊女が焼死したらし |
| い。 |
| 安政の大地震に関するエピソードを3つ紹 |
| 介する。 |
| 1つ目は、「安政見聞誌」に記載されてい |
| る地震と磁石に関するエピソードである。 |
| 長さ三尺あまり（約1m）の天然磁石を入手 |
| した浅草の眼鏡屋が、珍しいものだからと、 |

クギなどを吸いつけて店の看板がわりにして
 いたところ、ある夜、吸いついていたクギが
 みな落ちてしまった。原因もわからず首をひ
 ねっていたところ、その数時間後に安政江戸
 地震が襲来した。地震が終わってみると、元
 通りに磁力が戻ったという。
 2つ目は、佐久間象山が作った地震予知機
 についてである。地震予知機というのと、何だ
 がすごい機械のような気がしてしまいが、1
 つ目のエピソードに絡んだメカニズムを採用
 している。
 馬蹄型磁石のU字を逆さにして吊り下げる。
 U字の先端に、磁力で鉄片をくっつける。こ
 の鉄片には、糸でつながれた錘がついている。
 U字の磁石の鉛直方向に錘がぶら下がること
 になる。大地震が来て、磁力が弱まると、錘
 が落ちて異変を検知できるという仕組みにな
 っているようだ。
 果たして、どれぐらいの検出力があるのか
 はわからない。

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|----|---|---|---|---|---|---|
| 3 | つ | 目 | は | 、 | 親 | 孝 | 行 | の | エ | ピ | ソ | ー | ド | で | あ | る | 。 | | | |
| 幕 | 末 | の | 水 | 戸 | 藩 | 士 | で | 勤 | 王 | 家 | と | し | て | 知 | ら | れ | た | 藤 | | |
| 田 | 東 | 湖 | は | 、 | 水 | 戸 | 藩 | 江 | 戸 | 上 | 屋 | 敷 | で | 安 | 政 | の | 大 | 地 | 震 | |
| に | 遭 | っ | た | 。 | そ | の | 際 | 母 | を | 助 | け | て | 外 | に | 出 | た | が | 、 | 火 | |
| 鉢 | の | 火 | を | 心 | 配 | し | た | 母 | が | 屋 | 内 | に | 引 | き | 返 | し | た | た | め | |
| 救 | い | 出 | そ | う | と | し | た | と | こ | ろ | 鴨 | 居 | が | 落 | ち | て | き | た | 。 | |
| 東 | 湖 | は | 老 | 母 | を | 下 | に | 囲 | い | 、 | 肩 | で | 鴨 | 居 | を | 支 | え | 、 | か | |
| ろ | う | じ | て | 母 | を | 庭 | へ | 出 | し | た | が | 、 | 東 | 湖 | は | 力 | 尽 | き | て | |
| 下 | 敷 | き | に | な | り | 圧 | 死 | し | た | 。 | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | | |
| - | 藤 | 田 | 東 | 湖 | 護 | 母 | 致 | 命 | の | 処 | | (| 文 | 京 | 区 | 後 | 楽 |) | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 安 | 政 | の | 大 | 地 | 震 | の | 次 | は | 、 | 翌 | 年 | の | 1856/ | 安 | 政 | 3 | 年 | | | |
| に | 、 | 安 | 政 | の | 大 | 洪 | 水 | (| 巨 | 大 | 台 | 風 | が | 関 | 東 | 直 | 撃 |) | が | |
| 起 | き | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 旧 | 暦 | 8 | 月 | 2 | 5 | 日 | 午 | 後 | 8 | 時 | ご | ろ | 、 | 江 | 戸 | は | 大 | 暴 | | |
| 風 | 雨 | に | 見 | 舞 | わ | れ | た | 。 | 大 | 石 | が | 飛 | び | 、 | 大 | 木 | が | 倒 | れ | 、 |
| 多 | く | の | 仮 | 家 | が | 飛 | ん | だ | 。 | 家 | 屋 | は | 、 | 昨 | 年 | の | 地 | 震 | 倒 | |
| 壊 | で | 、 | 仮 | 設 | 状 | 態 | だ | っ | た | 。 | 死 | 者 | は | 10 | 万 | に | も | な | る | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|---|
| | し | か | し | 、 | そ | の | 後 | 、 | 物 | 理 | や | 化 | 学 | 、 | 電 | 気 | 工 | 学 | を | |
| 学 | ん | で | も | 平 | 賀 | 玄 | 内 | の | 法 | 則 | と | 言 | わ | れ | る | よ | う | な | 普 | |
| 遍 | 的 | な | 学 | 問 | 上 | の | 成 | 果 | を | 耳 | に | し | た | こ | と | が | な | か | っ | |
| た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 関 | 孝 | 和 | は | 、 | 円 | 周 | 率 | や | 円 | の | 面 | 積 | な | ど | に | す | ぐ | れ | |
| た | 研 | 究 | を | な | し | と | げ | た | と | い | う | 。 | 高 | 校 | 数 | 学 | で | は | 、 | |
| 関 | の | 方 | 程 | 式 | の | よ | う | な | 類 | を | 習 | わ | な | か | っ | た | 。 | 大 | 学 | |
| で | も | 幾 | 何 | 、 | 代 | 数 | を | 学 | ん | だ | が | 、 | 何 | も | 出 | て | こ | な | い | 。 |
| 学 | 校 | で | 学 | ん | だ | 日 | 本 | 史 | 以 | 外 | の | 場 | で | 、 | 2 | 人 | の | 顕 | 著 | |
| な | 成 | 果 | を | 見 | た | こ | と | が | 無 | い | 。 | | | | | | | | | |
| | こ | れ | は | 、 | ど | う | し | た | こ | と | だ | ろ | う | か | 。 | | | | | |
| | 平 | 賀 | 源 | 内 | は | 、 | エ | レ | キ | テ | ル | を | つ | く | っ | た | と | い | う | 。 |
| 「 | つ | く | っ | た | 」 | と | い | う | の | は | 、 | 発 | 明 | だ | と | 思 | っ | て | い | |
| た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | し | か | し | 、 | 壊 | れ | た | エ | レ | キ | テ | ル | に | 興 | 味 | を | 持 | ち | 、 | |
| そ | れ | を | 約 | 6 | 年 | か | け | て | 修 | 復 | し | 、 | 1776/ | 安 | 永 | 5 | 年 | に | | |
| 摩 | 擦 | 起 | 電 | 機 | エ | レ | キ | テ | ル | を | つ | く | っ | た | 、 | と | い | う | こ | |
| と | だ | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 完 | 成 | し | た | エ | レ | キ | テ | ル | は | 、 | 江 | 戸 | の | 大 | 名 | 屋 | 敷 | な | |
| ど | で | 見 | 世 | 物 | と | し | て | 披 | 露 | さ | れ | る | か | 、 | 病 | 気 | 治 | 療 | に | |

使われた。小さな火花放電ではあるが、稲妻
 のような光とバチバチという音に驚いたこと
 だろう。当時の見世物としては、最高の賛辞
 に浴したことだろう。

平賀源内が、6年も試行錯誤で修復を続け、
 ついに自らの手で火花放電を起こせた時の興
 奮や達成感を想像すると、私までわくわくし
 てしまう。エレキテルを修復して世間に知ら
 しめたこと自体は立派だと思う。

しかし、見世物や根拠のない病氣治療に使
 われただけで終わってしまったことが残念だ。
 なぜ、エレキテルは火花放電をするのかとい
 う疑問は持ったはずだが、そのメカニズムを
 しつこく探求するには至らなかった。これは、
 鎖国政策で洋学が禁止されていたことが、大
 きな原因ではないかと思う。エレキテルの構
 成部品の1つであるライデン瓶（摩擦で生じ
 た静電気をためる）は、オランダの科学者が
 1746年に発明したという。30年後に、平賀源
 内が、エレキテルの修復に成功して得意げに

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|------|---|---|---|---|
| 江 | 戸 | の | 大 | 名 | 屋 | 敷 | を | 回 | っ | て | い | た | 頃 | に | は | 、 | 世 | 界 | の | |
| 電 | 気 | の | 研 | 究 | は | も | っ | と | 進 | ん | で | い | た | 。 | そ | の | 進 | ん | だ | |
| 研 | 究 | の | 情 | 報 | が | 手 | に | 入 | ら | な | か | っ | た | — | — | 探 | 求 | の | 糸 | |
| 口 | が | な | か | っ | た | 。 | だ | か | ら | 、 | 見 | 世 | 物 | で | 終 | わ | っ | て | し | |
| ま | っ | た | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 関 | 孝 | 和 | は | ど | う | だ | っ | た | か | 。 | | | | | | | | | |
| | 関 | 孝 | 和 | は | 、 | 和 | 算 | 家 | だ | と | い | う | 。 | 円 | 周 | 率 | や | 円 | の | |
| 面 | 積 | な | ど | に | す | ぐ | れ | た | 研 | 究 | を | な | し | と | げ | た | と | い | う | 。 |
| | 和 | 算 | 家 | っ | て | 何 | だ | ろ | う | ？ | | 円 | 周 | 率 | は | 3.14 | … | で | 決 | |
| ま | っ | て | い | る | 。 | 円 | の | 面 | 積 | だ | っ | て | 、 | 半 | 径 | × | 半 | 径 | × | |
| 円 | 周 | 率 | と | い | う | 公 | 式 | が | あ | る | 。 | 今 | さ | ら | す | ぐ | れ | た | 研 | |
| 究 | っ | て | 、 | 何 | だ | ろ | う | ？ | | | | | | | | | | | | |
| | 和 | 算 | は | 、 | 中 | 国 | の | 数 | 学 | の | 影 | 響 | 受 | け | な | が | ら | 発 | 展 | |
| し | 、 | 関 | 孝 | 和 | が | 点 | 竄 | 術 | (| て | ん | ざ | ん | じ | ゅ | っ |) | を | 創 | |
| 始 | し | た | そ | う | だ | 。 | 専 | 門 | 家 | で | は | な | い | の | で | 、 | 点 | 竄 | 術 | |
| の | 説 | 明 | は | で | き | な | い | が | 、 | 和 | 算 | の | 中 | 心 | 的 | な | 手 | 法 | は | |
| 数 | 値 | 計 | 算 | 的 | な | 代 | 数 | だ | そ | う | だ | 。 | 当 | 時 | は | 苦 | 労 | し | た | |
| 計 | 算 | も | 現 | 在 | の | コ | ン | ピ | ュ | ー | タ | ー | で | は | 、 | 単 | 純 | 作 | 業 | |
| で | 解 | け | て | し | ま | う | 問 | 題 | も | あ | る | よ | う | だ | 。 | 一 | 方 | で | 、 | |
| 和 | 算 | で | は | 微 | 積 | 分 | の | 基 | 本 | 定 | 理 | が | な | か | っ | た | こ | と | か | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|----|---|---|----|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ら | す | る | と | 、 | 独 | 自 | の | 数 | 学 | 体 | 系 | に | な | っ | て | そ | う | だ | 。 | |
| | 円 | 周 | 率 | も | 調 | べ | て | み | た | 。 | | | | | | | | | | |
| | 関 | 孝 | 和 | は | 、 | 曆 | を | 作 | る | た | め | に | 円 | 周 | 率 | が | 必 | 要 | だ | |
| っ | た | 。 | そ | こ | で | 、 | 正 | n | 角 | 形 | を | 使 | っ | て | 、 | 円 | 周 | 率 | の | |
| 近 | 似 | 値 | を | 小 | 数 | 第 | 11 | 位 | ま | で | 算 | 出 | し | た | 。 | 関 | の | 著 | 書 | |
| に | 「 | 三 | 尺 | 一 | 寸 | 四 | 分 | 一 | 厘 | 五 | 毛 | 九 | 糸 | 二 | 忽 | 六 | 微 | 五 | 織 | |
| 三 | 沙 | 五 | 塵 | 九 | 埃 | 微 | 弱 | 」 | と | 書 | か | れ | て | い | る | そ | う | だ | 。 | |
| | し | か | し | 、 | 先 | ん | じ | る | こ | と | 14 | 世 | 紀 | 、 | イ | ン | ド | の | 数 | |
| 学 | 者 | は | 、 | 近 | 似 | 式 | を | 用 | い | て | 円 | 周 | 率 | の | 近 | 似 | 値 | を | 小 | |
| 数 | 点 | 以 | 下 | 11 | 桁 | ま | で | 求 | め | て | い | る | そ | う | だ | 。 | | | | |
| | も | し | 、 | こ | れ | が | 本 | 当 | な | ら | 、 | 円 | 周 | 率 | の | 近 | 似 | 値 | に | |
| つ | い | て | 、 | 世 | 界 | 的 | に | 突 | 出 | し | た | 成 | 果 | が | あ | っ | た | わ | け | |
| で | は | な | い | こ | と | が | わ | か | る | 。 | | | | | | | | | | |
| | 「 | 円 | 周 | 率 | や | 円 | の | 面 | 積 | な | ど | に | す | ぐ | れ | た | 研 | 究 | を | |
| な | し | と | げ | た | 」 | と | 教 | 科 | 書 | に | 書 | か | れ | て | い | た | こ | と | は | 、 |
| 正 | n | 角 | 形 | を | 使 | っ | た | 和 | 算 | 的 | な | 手 | 法 | で | 、 | 円 | 周 | 率 | の | |
| 近 | 似 | 値 | を | 求 | め | た | こ | と | だ | と | 理 | 解 | し | た | 。 | | | | | |
| | 西 | 洋 | 数 | 学 | と | 異 | な | る | 視 | 点 | の | あ | る | 和 | 算 | 一 | 一 | あ | る | |
| 意 | 味 | で | 、 | 日 | 本 | の | 伝 | 統 | 文 | 化 | な | の | か | も | し | れ | な | い | 。 | |
| 和 | 算 | の | 領 | 域 | に | 踏 | み | 込 | ん | で | い | け | ば | 、 | そ | の | 凄 | さ | や | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 美 | し | さ | が | わ | か | る | の | か | も | し | れ | な | い | 。 | | | | | | |
| | そ | れ | は | 、 | 盆 | 栽 | に | 似 | て | い | る | 。 | 盆 | 栽 | は | 、 | 鉢 | で | 植 | |
| 物 | を | 育 | て | 、 | 植 | 物 | の | 姿 | の | 美 | し | さ | を | 求 | め | て | い | く | 日 | |
| 本 | の | 伝 | 統 | 文 | 化 | だ | 。 | 西 | 洋 | で | も | 植 | 物 | を | 美 | し | く | 育 | て | |
| る | が | 、 | 盆 | 栽 | と | は | 手 | 法 | が | 異 | な | る | 。 | | | | | | | |
| | も | し | 、 | 鎖 | 国 | 政 | 策 | が | 無 | け | れ | ば | 、 | 西 | 洋 | 数 | 学 | 一 | 辺 | |
| 倒 | と | な | り | 、 | 和 | 算 | は | 途 | 絶 | え | て | い | た | か | も | し | れ | な | い | 。 |
| 鎖 | 国 | 政 | 策 | の | た | め | に | 、 | 見 | 世 | 物 | で | 終 | わ | っ | て | し | ま | っ | |
| た | エ | レ | キ | テ | ル | と | は | 逆 | に | 、 | 鎖 | 国 | 政 | 策 | が | あ | っ | た | 故 | |
| に | 、 | 和 | 算 | の | 独 | 創 | 性 | が | 継 | 承 | さ | れ | た | の | で | は | な | い | だ | |
| ろ | う | か | 。 | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 和 | 算 | は | 、 | 数 | 学 | と | い | う | 抽 | 象 | 性 | の | 高 | い | 学 | 問 | で | 近 | |
| づ | き | が | た | い | 面 | も | あ | る | が | 、 | 気 | に | な | る | 存 | 在 | で | あ | る | 。 |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ■ | ゆ | か | り | の | 地 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 国 | の | 重 | 要 | 文 | 化 | 財 | 〉 | | 「 | エ | レ | キ | テ | ル | 」 | | (| 千 | |
| 代 | 田 | 区 | 大 | 手 | 町 | | | | | 通 | 信 | 総 | 合 | 博 | 物 | 館 | 所 | 蔵 |) | |
| 〈 | 国 | 指 | 定 | 史 | 跡 | 〉 | | | | 平 | 賀 | 源 | 内 | 墓 | (| 台 | 東 | 区 | 橋 | 場 |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 総 | 泉 | 寺 |) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 〈 | 都 | 指 | 定 | | 史 | 跡 | 〉 | | | 関 | 孝 | 和 | 墓 | (| 新 | 宿 | 区 | 弁 | 天 | 町 |

